हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

9 गृहकार्य एवं पाठ सही ढंग से सुनाने वाले को पहले ...

10 जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में 10 से 55...

खबर संक्षेप

दुकान में चोरी और आगजनी का प्रयास

बवानीखेड़ा। शहर में चोरी और आगजनी का गंभीर मामला सामने आया है। वार्ड-10 निवासी दुकानदार रणसिंह ने थाना शहर बवानीखेड़ा में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि बदमाशों ने उनकी दुकान में सेंध लगाकर नकदी और सामान चोरी कर लिया तथा आग लगाने की भी कोशिश की। पीड़ित के अनुसार उनकी दुकान राजकीय विद्यालय परिसर में स्थित है, जहां हुडा की ओर बने परिसर में बदमाशों ने शटर तोड़कर प्रवेश किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि चोर दुकान से 4600 रुपये नकद, 5000 की कापियां और 3000 रुपये का अन्य सामान ले गए। आरोपियों ने दुकान में आग लगाने का प्रयास किया, जिससे दुकान के ढांचे को नुकसान पहुंचा।

चोरी करने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

भिवानी। शहर पुलिस ने बाजार में महिला के बैग से नकदी चोरी करने के मामले में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता सुमन, निवासी शक्ति नगर भिवानी, ने पुलिस को बताया कि वह 6 जून को खरीदारी के लिए बाजार गई थी। जब वह फूलों वाला चौक क्षेत्र से पैदल गुजर रही थी, तब दो महिलाएं उसके बेहद करीब चल रही थीं। शक होने पर जब उसने अपना बैग जांचा तो 5,800 रुपये गायब थे। सुमन ने पीछे मुड़कर देखा तो दोनों महिलाएं वहां से भागने का प्रयास कर रही थीं। लोगों की मदद से उन्हें मौके पर ही पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। एएसआई सुरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपित महिलाओं कुसुम और मोहिनी, दोनों निवासी बलियाली, को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी की पूरी रकम बरामद कर ली गई है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

10.58 ग्राम हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने युवक को 10.58 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक अमरजीत सिंह अपनी टीम के साथ हांसी रोड, तोशाम क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक व्यक्ति बोलेरो गाड़ी में हांसी से तोशाम की ओर हेरोइन लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका और तलाशी ली। जांच में चालक के कब्जे से 10.58 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील निवासी गांव मांकावास, जिला चरखी दादरी के रूप में हुई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया और एक दिन के रिमांड पर लिया। पुलिस ने सप्लायर अजय निवासी राजथल, हांसी को भी गिरफ्तार कर लिया।

सुंदर नहर में पानी की कमी को लेकर बिफरे कई गांवों के ग्रामीण

समाधान नहीं हुआ तो 12 गांवों के लोग करेंगे आंदोलन का ऐलान

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी से मुलाकात करेगा प्रतिनिधिमंडल

42 दिनों के बाद भी सिर्फ तीन या चार दिन पानी मिलने को लेकर रविवार को गांव जमालपुर में सुंदर नहर पर पड़ने वाले 12 गांवों के लोगों ने पंचायत कर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। नहरी पानी की मांग को लेकर महापंचायत में उपस्थित एक दर्जन गांवों के किसान।

42 दिनों के बाद सात की बजाए तीन या चार दिन पानी मिलने को लेकर रविवार को गांव जमालपुर में सुंदर नहर पर पड़ने वाले 12 गांवों की महापंचायत हुई। महापंचायत में सुंदर नहर में पानी की कमी को लेकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का तर्क था कि खेतों की सिंचाई ही नहीं जलघर के टैंकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा। जिस वजह से उनको खरीद कर पानी पीना पड़ रहा है।

इस दौरान पंचायत में सर्वसम्मति से सिंचाई मंत्री से प्रतिनिधिमंडल के मिलने का फैसला लिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि अगर सिंचाई मंत्री उनकी इस समस्या का समाधान नहीं करवाती तो वे उसके बाद फिर से महापंचायत बुलाएंगे और आगे आंदोलन की रणनीति तय करेंगे।

सुंदर नहर में अपनी बारी के दौरान पानी की कमी को लेकर कूंगड, जमालपुर, रतेरा, किरावड़, मुजादपुर,उमरा,रोहनात, पपोसा, कंवारी, बड़सी, मंढाणा, भैणी आदि गांव के मौजिज लोग जमालपुर की यादव धर्मशाला में पहुंचे। नहरी पानी कम मिलने को लेकर चर्चा शुरू हुई पंचायत की अध्यक्षता रामकुमार यादव ने की। बैठक में किसानों ने आरोप लगाया कि कई सालों से सुंदर नहर में उनकी बारी का पूरा पानी नहीं मिल रहा, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं और पीने के पानी के लिए टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। अलग-अलग गांवों से आए किसानों ने कहा कि हमारी नहर में पानी तो आता है, लेकिन टेल तक नहीं पहुंचता। जोहड़ और वाटर बॉक्स भी खाली पड़े हैं। अभी बिजाई का समय आ रहा है, इसलिए सरकार तुरंत पूरा पानी छोड़े। 42 दिनों के अंतराल में नहरी पानी पहुंचता है,लेकिन वह सात दिन की बजाए केवल तीन दिनों तक ही पानी नहर में बहता है। इस दौरान नहर आधी तो कभी फूल हो जाती है। जिस वजह से नहर के अंतिम छोर तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता। जिस वजह से किसानों के खेत खाली रह जाते हैं। जलघरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता।

पंचायत में ये रहे मौजूद

महापंचायत में अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील प्रधान राजेश लुगास, रमेश, रामफल झोपारंग, प्रहलाद यादव, शेर सिंह रतेरा, चैनन दास एक्स सरपंच रतेरा, बलराज रतेरा, सुरेंद्र फौगाट सीपू, जय राम उमरा, ईश्वर जमालपुर, जयबीर फौजी, स्याम जमालपुर, पवन द्याणपुर समेत कई गांवों के किसान शामिल हुए। किसान नेता राजेश लुगास ने बताया कि सुंदर नहर पर निर्भर हजारों एकड़ जमीन प्यासी है। सरकार समय रहते नहीं चेती तो किसान-मजदूर सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। फिलहाल किसान प्रतिनिधिमंडल जल्द ही चंडीगढ़ में सिंचाई मंत्री से मुलाकात का समय लेगा।

सिंचाई मंत्री के सामने रखी जाएगी मांग

महापंचायत में किसानों ने फैसला लिया कि सबसे पहले एक प्रतिनिधिमंडल सिंचाई मंत्री से मिलकर अपनी मांग रखेगा। उनके समक्ष सुंदर नहर की वस्तुस्थिति से अवगत करवाया जाएगा। उनसे नहरी पानी की कमी को पूरा करवाए जाने की गुजारिश भी करवाई जाएगी। मीटिंग में मौजूद किसानों ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर सिंचाई मंत्री से मिलने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्र के सभी किसान-मजदूर मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा, अपने हक का नहरी पानी लेने के लिए अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

भिवानी। वाहन चालक को चालान देते पुलिसकर्मी।

ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताह में 664 वाहन चालकों के चालान काटे

चरखी दादरी। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस चरखी दादरी द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिना नम्बर प्लेट अथवा नियमों के विपरीत नम्बर प्लेट लगाकर चलने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस की विशेष ड्राइव के दौरान पिछले सप्ताह में बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के 104 चालान सहित कुल 664 वाहन चालकों के चालान किए गए।

यातायात प्रभारी के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस टीमों ने शहर के प्रमुख चौकों, बाजारों, स्कूल-कॉलेज मार्गों, बस स्टैंड, रेलवे रोड तथा अन्य व्यस्त स्थानों पर विशेष नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की। जांच के दौरान ऐसे वाहन चालक चिन्हित किए गए जो बिना नम्बर प्लेट, टूटी हुई नम्बर प्लेट, नम्बर प्लेट पर स्टिकर लगाकर अथवा नियमों के विपरीत डिजाइन वाली नम्बर प्लेट का उपयोग कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, रोंग पार्किंग के 146, स्पीड ड्राइविंग के 46, रोंग साइड पार्किंग के 45, लेन ड्राइविंग के 21 चालान सहित कुल 664 चालान काटे। प्रभारी थाना यातायात ने बताया कि वाहन पर वैध नम्बर प्लेट होना केवल कानूनी आवश्यकता ही नहीं बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बिना नम्बर प्लेट वाले वाहन अक्सर अपराधों में प्रयोग किए जाते हैं तथा ऐसे वाहनों की पहचान करना कठिन हो जाता है। पुलिस ने विशेष अभियान चला नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं अपराध नियंत्रण में वाहन नंबर प्लेट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए वाहन मालिकों को निर्धारित मानकों अनुसार नंबर प्लेट लगानी चाहिए एवं ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

भिवानी। टॉवर लाइनों को लेकर किसानों के साथ आयोजित बैठक में उपस्थित सांसद धर्मबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय मंत्री के सामने रखी जाएगी टावर लाइन के मुआवजे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सांसद चौ. धर्मबीर सिंह की अध्यक्षता में सिवानी से सोनीपत और सिवानी से जींद जाने वाली टॉवर लाइन से प्रभावित किसानों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, डीसी साहिल गुप्ता और भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक भी मौजूद रहे। सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि टॉवर लाइन से संबंधित जमीन के रेट को लेकर बनाई गई पॉलिसी बारे व पोर्टल को फिर से खोलने को लेकर शीघ्र ही केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की जाएगी और किसानों की समस्या के बारे में अवगत करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे किसानों के साथ हैं। वे चाहते हैं कि किसानों को उनकी जमीन का अधिक से अधिक मुआवजा मिले। विधायक कपूर सिंह ने किसानों को एक राय बनाकर प्रस्ताव देने की बात रखी।

उल्लेखनीय है कि सिवानी से सोनीपत को जाने वाली टावर लाइन में कुल 195 टावर लगने हैं। इसी प्रकार से सिवानी से जींद जाने वाली लाइन में जिला भिवानी में आने वाले गांवों की जमीन में 50 टावर लगने हैं। बैठक के दौरान किसानों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि जब तक वाजिब मुआवजा नहीं मिलता, तब खेतों में टॉवर न लगाए जाएं।

पुरानी रंजिश को लेकर दिया था घटना को अंजाम

बहल। शनिवार को कस्बे के मुख्य बाजार में बहल ढाणी निवासी युवक पर नुकीली वस्तु से हमला दोनों पक्षों के बीच चली आ रही पुरानी रंजिश का नतीजा था। आरोपियों ने युवक संदीप पर उस समय नुकीली वस्तु से हमला किया था जब वह मुख्य बाजार में किसी से बातचीत कर रहा था। मामले में पुलिस ने हमले में घायल युवक संदीप के बयान पर दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने दो नामजद आरोपी शब्द व छांगा के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत

तोशाम। रविवार शाम तोशाम-जूई मार्ग पर गांव दूल्हेड़ी व सुंगरपुर के बीच निजी बस व ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर होने से ट्रैक्टर चालक करीबन 45 वार्षिक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक हिसार जिले का गांव कैमरी निवासी करीबन 45 वर्षीय मनोज उर्फ मंगतू जूई की तरफ से ट्रैक्टर व खाली ट्रॉली लेकर तोशाम की तरफ आ रहा था इसी दौरान जब वह गांव दूल्हेड़ी तथा सुंगरपुर के बीच पहुंचा तो पीछे से आ रही निजी बस ने ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्रैक्टर पलट गया और ट्रैक्टर चालक मनोज की ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। इसके पश्चात मौके पर जेसीबी को बुलाया गया तथा जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को हटाकर ट्रैक्टर चालक मनोज के शव को ट्रैक्टर के नीचे से निकाला गया। मृतक मनोज शादीशुदा था।

छठे दिन किया वेणु गीत, रासलीला और कृष्ण भक्ति के दिव्य प्रसंगों का वर्णन

ईश्वर का प्रेम पाने के लिए मन का निर्मल होना जरूरी : शास्त्री

सुप्रसिद्ध कथाव्यास अनीता शास्त्री ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित मदभागवत कथा में उपस्थित श्रद्धालु।

भीम स्टेडियम, सदर थाना के पास स्थित शिव मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दौरान पूरा परिसर भक्ति के सागर में सराबोर नजर आया। कथा के छठे दिन रविवार को श्रद्धालु श्रोताओं को अपनी सुमधुर वाणी से निहाल करते हुए सुप्रसिद्ध कथाव्यास अनीता शास्त्री ने वेणु गीत, रासलीला और कृष्ण भक्ति के दिव्य प्रसंगों का बेहद मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी वर्णन किया।

इस धार्मिक आयोजन में न केवल भक्ति की बयार बही, बल्कि कथाव्यास ने धर्म को सामाजिक सरोकार और पर्यावरण संरक्षण से जोडक़र श्रद्धालुओं को एक नई राह भी दिखाई। कथा के दौरान रुक्मणी विवाह का प्रसंग बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। वेणु गीत और रासलीला के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कथाव्यास अनीता शास्त्री ने कहा कि भगवान हर रूप में हमारे साथ है। वे कभी बाल-गोपाल बनकर वात्सल्य लुटाते हैं, कभी प्रेमी बनकर रीझाते हैं, तो कभी रक्षक बनकर हमारी ढाल बनते हैं। रासलीला कोई शारीरिक आकर्षण नहीं है, बल्कि यह जीव-आत्मा का परमात्मा में पूरी तरह से विलीन हो जाना और पूर्ण समर्पण है। ईश्वर का सच्चा प्रेम पाने के लिए मनुष्य को काम, क्रोध और अहंकार से मुक्त होकर निर्मल हृदय वाला बनना होगा। कथा में आगे बताते हुए उन्होंने कहा कि बैकुंठ से भी श्रेष्ठ वह वृंदावन धाम है, जो भगवान श्री कृष्ण के चरण चिन्हों से और भी रमणीक बन गया, जहां बांसुरी की धुन सुनकर पक्षी, बादल और नदियां भी स्थिर हो जाती थीं और चरती हुई गाएं भी मंत्रमुग्ध होकर ठिठक जाती थीं।

धार्मिक प्रसंगों के बीच कथाव्यास ने पर्यावरण चेतना का संदेश दिया। उन्होंने भगवान कृष्ण और ग्वाल-बालों के प्रसंग का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वृक्ष ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की प्रखर किरणों को सहकर स्वयं धूप, हवा, वर्षा और पाला झेलते हैं और हमारी रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारा नित्य कर्तव्य है। हर इंसान को अपने बच्चों के जन्मदिन, विवाह के उत्सव या अपने स्वयं के जन्मदिन पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।

P.M.C.R.I. KURUKSHETRA

PINNACLE MEDICAL CENTRE & RESEARCH INSTITUTE
(Proposed Medical College & Hospital)
9th Milestone, Kaithal Road, Barna, Kurukshetra (Haryana)

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from eligible and experienced candidates for the following positions in the Proposed Medical College & Hospital

LEADERSHIP POSITIONS

Director	Medical Superintendent	Administrator / COO

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Tutor in the following departments:

PRE CLINICAL	PARA CLINICAL	
Anatomy	Pathology	Forensic Medicine
Physiology	Pharmacology	Community Medicine
Biochemistry	Microbiology	

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Senior Resident / Junior Resident in Clinical Departments

General Medicine	Pediatrics	Otorhinolaryngology (ENT)
General Surgery	Ophthalmology	Anesthesiology
Orthopedics	Radiology	Psychiatry
Obstetrics and Gynaecology	Dermatology	Dentistry

ADMINISTRATION, NURSING & CLINICAL STAFF

Hospital Administrator (MHA)	Anesthesia Technician
Nursing Superintendent	Radiology / X-Ray Technician
Nursing Matron	Operation Theatre (OT) Technician
Hospital Manager	Medical Laboratory Technician (MLT)
Front Office Executive	Optometry Technician
TPA & Ayushman Executive	General Duty Assistant (GDA)
Billing Executive / Assistant	Ward Boy
Nursing Staff (GNM / B.Sc. Nursing)	Blood Bank Technician

IT SUPPORT & MAINTENANCE STAFF

IT Manager	Estate Officer	AC Technician
System Engineer	Hospital Supervisor	Electrician
Website Web Developer	Office Clerk	Plumber
Graphics Designer	Computer Operator	Carpenter
Computer Lab Technician	Security Guard (Male/Female)	Painter
Computer Hardware and Networking	Aaya / Housekeeping Staff (Male/Female)	Welder
ERP Coordinator / Lab Attendant	Bus Driver	Gardener (Mali)

Interested candidate may send their detailed CV along with relevant documents to : Email: hr@pmcri.in

Job Location : Kurukshetra (Haryana)

M : 9996783003 Website : www.pmcri.in

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थीः

स्रवन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया हैः

ततो गच्छेत राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है। यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया हैः

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी — सत्यवीर नाहड़िया

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू दास नसे के होग्ये।।

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा नास की जड़ हो सै न्यूँ,म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्याँ,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावैं,अंत टेम न्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सभनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कविता — राजपाल सिंह गुलिया

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , [redacted] आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाहैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आचरण

खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

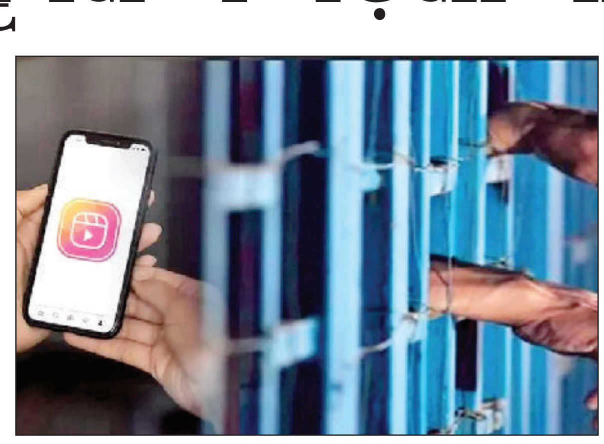

मंथन

सरिता

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

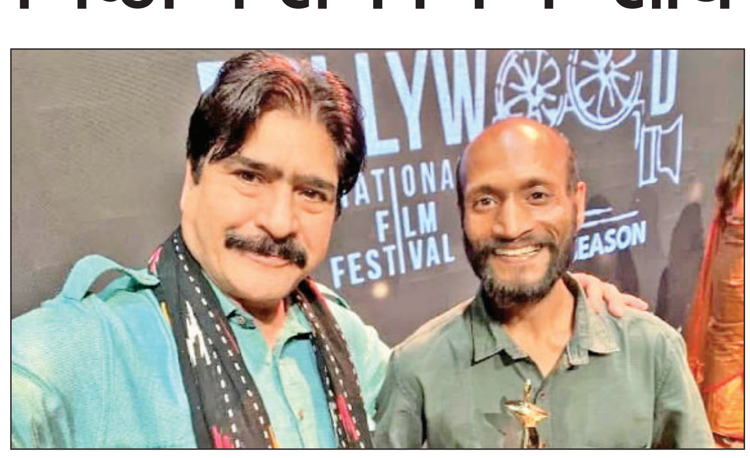

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज़ तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज़ के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज़ में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक गतिविधियों में दिखाई प्रतिभा

बाढड़ा। गांव काकडौली हुक्मी के राजकीय वमावि में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर एक जून से सात जून तक आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न भाषाई एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह के अवसर पर शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सत प्रकाश फौगाट ने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना भी है।

खादी रोजगार उत्सव की तैयारियां जोरों पर

बहल। खादी संस्थान हरियाणा की ओर से सिवानी में 17 जून को आयोजित होने वाले खादी रोजगार उत्सव की तैयारियां जोरों पर है। कार्यक्रम की सफलता के लिए स्थानीय भाजपा नेताओं ने लोगों से मुलाकात कर उनको उत्सव का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि खादी उत्सव ग्रामीण उद्यमिता व ग्रामीण विकास को बढावा देने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मार्केट कमेटी बहल के चेयरमैन रवि महमिया व भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष हनुमान शर्मा ने कहा कि सिवानी के राजकीय स्कूल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे जबकि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ,भारत के अध्यक्ष मनोज गोयल, सांसद धर्मबीर सिंह व पूर्व मंत्री जेपी दलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

सरकार ने फिर महंगाई का दिया झटका: तंवर

भिवानी। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करीब एक महीने के भीतर आमजन को सबसे बड़ा महंगाई का झटका देते हुए सरकार ने अब घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के दामों में 29 की भारी बढ़ोतरी कर दी है। सरकार के फैसले पर कड़ा रोष जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं रिटायर्ड बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया और इसे आम आदमी की जेब पर डकैती करार दिया। तंवर ने तीखा ने कहा कि जो सरकार उज्ज्वला योजना का ढोल पीटकर घर-घर सिलेंडर पहुंचाने और माताओं-बहनों को धुएं से निजात दिलाने का दावा करती हैं।

गैस सिलेंडरों के दामों में बढ़ोतरी का किया विरोध

बहल। केन्द्र सरकार द्वारा घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के रेटों में 29 रुपये की वृद्धि किए जाने का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध किया है। कांग्रेस पार्टी के जिला भिवानी के लीगल सैल चेयरमैन एडवोकेट शक्तिसिंह गाढा ने कहा कि सरकार के इस कदम से आम आदमी पर महंगाई की बुरी मार पड़ेगी और रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों में इजाफा होगा। उन्होंने सरकार से बढ़ोतरी को वापस लिए जाने की मांग की है।

विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत : राजेश

गृहकार्य एवं पाठ सही ढंग से सुनाने वाले को पहले बल्लेबाजी का मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

घुसकानी स्कूल में शिक्षा एवं खेल को बढ़ावा देने अनूठी पहल का आगाज

गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई एवं खेल में अव्वल बनाने के लिए संचालित बदलाव की पाठशाला के साथ गांव प्रेमनगर के सरपंच एवं खेलप्रेमी राजेश बूरा तथा शिक्षाविद पूर्व प्राचार्य रमेशचंद्र बूरा ने अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों के लिए चलाए जा रहे खेल एवं शैक्षणिक नवाचारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अतिथियों ने सॉफ्टबॉल नर्सरी में शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू एवं कोच सनेश दलाल द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि किसी शिक्षक की बच्चों के प्रति सकारात्मक सोच, समर्पण और अच्छी भावना हो तो वह शिक्षा के क्षेत्र में असंभव को भी संभव बना सकता है। इसी सोच के साथ विद्यालय में बदलाव की पाठशाला की शुरुआत की, जिसके सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं। अतिथियों ने बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान दिए गृहकार्य की नियमित समीक्षा की, जो विद्यार्थी सबसे पहले अपना गृहकार्य एवं पाठ सही ढंग से सुनाता है, उसे मैदान में सबसे पहले अभ्यास मैच में बल्लेबाजी करने का अवसर दिया जाता है। भविष्य में ऐसे विद्यार्थियों को टीम का नेतृत्व एवं कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। इस अनूठी पहल ने बच्चों में पढ़ाई के प्रति विशेष रुचि पैदा की है। अतिथियों ने बच्चों द्वारा लिखे हिंदी एवं अंग्रेजी में पैराग्राफ, उनकी लेखन शैली, एमसीक्यू आधारित मूल्यांकन प्रणाली तथा बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवलोकन किया। पूर्व प्राचार्य रमेशचंद्र बूरा ने विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम आधारित प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ सटीक उत्तर दिया। सरपंच राजेश बूरा एवं पूर्व प्राचार्य रमेशचंद्र बूरा ने कहा कि बदलाव की पाठशाला विशेष रूप से पढ़ाई में कमजोर और पिछड़े विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक वातावरण तैयार करने में सफल रही है। इस अवसर पर पंच हवासिंह, पूर्व पंच सतबीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। खिलाड़ियों से परिचय लेते अतिथि रिटायर्ड प्राचार्य रमेशचंद्र बूरा, राजेश बूरा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

विद्यालय सौंदर्यीकरण में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का विशेष सहयोग: विनोद

शारीरिक शिक्षक एवं बदलाव की पाठशाला के सदस्य विनोद पिंकू ने बताया कि विद्यालय सौंदर्यीकरण में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, सरपंच सुनीता, संदीप दलाल, विद्यालय स्टाफ, फालसा ईको कल्ब के छात्र सदस्यों, ग्राम पंचायत तथा ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि शिक्षा का मंदिर है। ग्रामीण, विद्यार्थी, शिक्षक, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि मिलकर कार्य करें तो विद्यालयों को उत्कृष्ट बनाया जा सकता है, जिससे भविष्य में बच्चों के लिए बेहतर रोजगार और विकास के अवसर तैयार होंगे।

भिवानी। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत साइकिल रैली निकालते हुए। फोटो: हरिभूमि

फिटनेस मानसिक और सामाजिक विकास का आधार: कर्नल रितेश

- हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट साइकिल रैली का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का नेतृत्व कर्नल रितेश रंजन तथा कर्नल एंटोनी हेनरी सेल्वम ने किया।

रैली में सूबेदार मेजर डी गोपाला कृष्णम, लेफ्टिनेंट सन्नी पानू,फर्स्ट ऑफिसर राजेश कुमार, पीआई स्टाफ तथा बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः निर्धारित समय 6:30 पर हुआ। रैली प्रारंभ होने से पूर्व सभी कैडेट्स को फिटनेस, अनुशासन और सड़क सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके बाद कर्नल एंटोनी हेनरी सेल्वम ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। रैली के दौरान कैडेट्स ने फिट इंडिया, हिट इंडिया, स्वस्थ युवा सशक्त भारत तथा साइकिल चलाओ, स्वास्थ्य बढ़ाओ जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

रोज योग करें

इस अवसर पर कर्नल रितेश रंजन ने अपने संदेश में कहा कि फिटनेस केवल शारीरिक मजबूती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और सामाजिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में युवाओं का शारीरिक गतिविधियों से दूर होना चिंता का विषय है। ऐसे में साइकिलिंग जैसे सरल और प्रभावी माध्यम को अपनाकर स्वस्थ रहा जा सकता है। उन्होंने कैडेट्स से नियमित व्यायाम, योग और खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। कैडेट्स ने बताया कि साइकिल रैली उनके लिए एक प्रेरणादायक अनुभव रही। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से शारीरिक विकास होता है।

योग को जीवन का अंग बनाएं: राणा

- योग को बनाएं जीवन का अभिन्न हिस्सा : डॉ. राकेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के तत्वाधान में गांव चिड़िया के बाबा प्रेम पूरी धर्मशाला में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। यह विशेष शिविर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. राकेश वशिष्ठ जिला कॉर्डिनेटर डॉ. प्रमिल फौगाट एवं डॉक्टर रॉबिन डॉक्टर सुनील जांगड़ा डॉक्टर भूपेंद्र के कुशल मार्गदर्शन व देखरेख में आयोजित किया। शिविर में मुख्यतिथि के रूप में गांव सरपंच दलबीर सिंह उपस्थित रहे। शिविर के दौरान मुख्य शिक्षक विकास राणा, योगाचार्य मित्रसेन आर्य तथा योग शिक्षिका ज्योति व प्रतिभा ने उपस्थित सभी साधकों और ग्रामीणों को बेहद सरल व वैज्ञानिक तरीके से 'अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल' का अभ्यास कराया। इस अवसर पर मुख्य शिक्षक विकास राणा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, योग मात्र एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। योगाचार्य मित्रसेन आर्य ने कहा कि आज पूरी दुनिया योग की अभूतपूर्व शक्ति के प्रति जागरूक हो चुकी है, लेकिन हमारी जिम्मेदारी केवल योग दिवस मनाने तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बीमारियों से मुक्त और स्वस्थ रहने के लिए योग व प्राणायाम को अपनाना होगा।

चरखी दादरी। योग अभ्यास में हिस्सा लेते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

छोटी काशी में गूंजे अध्यात्म के सुर

- परमहंस योगाश्रम में वार्षिक महोत्सव के तहत भव्य कवि सम्मेलन और सत्संग आयोजित
- संत कबीर का जीवन और वाणी समाज के लिए मार्गदर्शक : स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी की पावन धरा इन दिनों एक अनूठे आध्यात्मिक प्रवाह में सराबोर है। स्थानीय तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस महाराज की पुण्यस्मृति में आयोजित वार्षिक महोत्सव के चलते पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। महोत्सव के तहत जहां रोजाना सुबह पावन हवन यज्ञ और सत्संग का आयोजन किया जा रहा है, वहीं इसी कड़ी में एक भव्य एवं विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को राष्ट्रभक्ति और साहित्य के अनूठे रंग में सराबोर कर दिया। कवि सम्मेलन में देश के अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने मुख्य आकर्षण के रूप में शिरकत की। राष्ट्रचेतना के स्वर को मुखर करते हुए राजेश चेतन ने देश की माटी और संस्कृति से जुडऩे का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें हर परिस्थिति में अपने राष्ट्र को आगे बढ़ाना चाहिए।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

समाज सुधारक

उन्होंने कहा कि संत कबीर जी एक महान भक्त होने के साथ-साथ अद्वितीय समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों और जाति-पाति का पुरजोर विरोध करते हुए मानवता का संदेश दिया। उन्होंने ईश्वर की निष्काम भक्ति को संसार में सबसे श्रेष्ठ बताया है। उन्होंने कहा कि कबीर जी ने हमेशा सच्चे गुरु के महत्व का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने अपने सीधे, सरल और प्रेरणादायक दोहों के माध्यम से साधारण से साधारण व्यक्ति को भी ज्ञान का मार्ग दिखाया। भक्तमाल में भी कबीर जी को एक निर्भीक, परम ज्ञानी और अनन्य भक्त संत के रूप में वर्णित किया गया है।

युवा राजपूत मंच ने लगाई मीठे पानी की छबील

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

भीषण गर्मी में राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराना है सच्ची मानवता : रजत राणा

आसमान से बरसती आग, भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच रविवार को गांव बापोड़ा में इंसानियत और सेवा का एक खूबसूरत नजारा देखने को मिला। गांव के सामाजिक संगठन युवा राजपूत मंच द्वारा क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर राहगीरों, किसानों और मजदूरों के लिए मीठे व ठंडे पानी की एक विशाल छबील लगाई गई। तपती दुपहरी में सफर कर रहे लोगों को जब इस छबील पर ठंडा और मीठा पानी मिला, तो उनके चेहरों पर सुकून साफ नजर आया। इस सेवा कार्य का शुभारंभ करते हुए मुख्य रूप से मौजूद रजत राणा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य और धर्म का कार्य माना गया है। इस भीषण गर्मी में जब इंसान का बाहर निकलना दूभर हो रहा है, ऐसे समय में राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराना सच्ची मानवता की मिसाल है। इससे न केवल जरूरतमंद लोगों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा भाव की प्रेरणा भी जागृत होती है। इस कार्य में गांव के युवाओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। सुबह से ही युवा पानी तैयार करने, उसमें बर्फ और मीठा मिलाने तथा आने-जाने वाले वाहनों को रोक-रोककर सप्रेम पानी पिलाने में जुटे रहे। इस दौरान युवाओं ने लोगों को हाइड्रेटेड रखने और लू से बचाव के उपाय भी बताए।

शिविर में 95 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

- स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर लगाया मेडिकल कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कीर्ति नगर स्थित पंडित नेकीराम शर्मा पार्क में होम्योपैथिक कैम्प व रक्त जांच शिविर का आयोजन किया।

शिविर में डॉ. विनोद सांगवान, डॉ. कमल किशोर शर्मा, डॉ. टीसी अग्रवाल, डॉ. गुरुदत्त ने अपनी सेवाएं देकर 95 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। सीनियर माइक्रो बायोलॉजिस्ट प्रवीन कुमार, लैब टेक्नीशियन सौरभ, आर्यन व पूजा ने अपनी सेवाएं देते हुए रक्त की जांच की। कैंप का शुभारंभ नगर पार्षद अंकुर कौशिक व गिरधारीलाल शर्मा ने संयुक्त रूप महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया। स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा स्मृति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने बताया कि कैंप के दौरान पूर्व विधायक डॉ. शिवशंकर भारद्वाज, ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित नेकीराम के प्रपौत्र पराग शर्मा , पूर्व बीडीपीओ राजकुमार शर्मा, डॉ. पुरूषोत्तम पुष्प, रिटायर्ड कानूनगो राजकुमार कौशिक, धर्मबीर शर्मा, आत्मप्रकाश कालड़ा, नरेन्द्र शर्मा आदि ने पंडितजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भिवानी। शिविर में जांच करवाते लोग। फोटो: हरिभूमि

कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष ने उपायुक्त को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

खरीफ-2026 फसलों की बुआई का समय पर किसानों को नहीं मिल रहा खाद

खरीफ-2026 सीजन की फसलों की बुआई शुरू होते ही किसानों के सामने खाद और उर्वरकों की किल्लत खड़ी होने लगी है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर अब कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से हमलावर रुख में आ गई है। कांग्रेस के ग्रामीणा जिला अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने जिले के किसानों की इस बड़ी समस्या को लेकर भिवानी के उपायुक्त को पत्र लिखते हुए तुरंत कदम उठाने की मांग की है। कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने शासन और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि खरीफ फसलों की बुआई का यह समय किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सीधे तौर पर कृषि उत्पादन और किसानों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि भिवानी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से किसानों द्वारा लगातार यह शिकायतें मिल रही हैं कि उन्हें खरीफ-2026 फसलों की बुआई की तैयारियों के बीच डीएपी और अन्य जरूरी उर्वरक नहीं मिल पा रहे हैं। मांग के अनुरूप आपूर्ति ना होने के कारण हमारे अन्नदाता को मंडियों और दुकानों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा, अतिरिक्त खर्च और भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है जो कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

बाल संतों ने समागम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दिया मानवता का संदेश

मेरा सतगुरु राम मिलावै, यो तो कण-कण में सै बतावै निरंकारी बाल संत समागम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी सत्संग भवन में निरंकारी बाल संत समागम आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता संत निरंकारी मंडल भिवानी जोन के जोनल इंचार्ज बलदेवराज ने की। कार्यक्रम में भिवानी व चरखी दादरी जिलों के ग्रामीण तथा शहरी इलाकों से भारी संख्या में बाल संतों एवं निरंकारी श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज करवाई। बाल संतों ने प्रतिभा का प्रदर्शन कर हिंदी, अंग्रेजी एवं हरियाणवी भाषा में भजन, गीत, व्याख्यान, कविता के माध्यम से मिशन के मानवता के संदेश को प्रसारित किया।

भिवानी। निरंकारी बाल संत समागम में अपनी प्रस्तुति देता प्रतिभागी व मंचासीन अन्य प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

परमात्मा की प्राप्ति करना ही मुख्य उद्देश्य

इस अवसर पर सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के विचारों को वीडियो के माध्यम से सत्संग में प्रसारित किए। निरंकारी राजपिता ने अपने विचारों में फरमाया कि भक्ति के मार्ग पर माया व्यवधान पैदा करती है। माया सिर्फ रुपये पैसा नहीं, बल्कि बीते समय में किए हुए कार्यों को याद करके समय व्यर्थ में बिताना माया का रूप है तथा आने वाले समय का सिर्फ सपना देखते हुए समय बर्बाद करना भी माया है। सदगुरू माता सुदीक्षा ने वीडियो से प्रसारित विचारों में समझाया कि इंसानी जीवन में परमात्मा की प्राप्ति करना ही मुख्य उद्देश्य है। परमात्मा को गृहस्थ जीवन में रहकर भी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने फरमाया कि हमें शिकवा नहीं शुक्राने वाली भक्ति करनी है। परमात्मा को ब्रह्म ज्ञान के माध्यम से जाना जा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मज्ञान से ही सुकून सभी के जीवन में संभव है। हमारे ग्रंथो में दर्ज है कि जे सुख को चाहे सदा, शरण राम की लें। कार्यक्रम में बाल संतों ने हरियाणवी मेरा सतगुरू राम मिलावै, यो तो कण कण में सै बतावै भजन प्रस्तुत किया। सत्संग समाप्ति पर लंगर प्रसाद वितरित किया।

298 ग्रामीणों ने करवाई जांच

- ग्रामीणों के घर-द्वार तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य : डा. विनोद अंचल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

ग्रामीण आंचल के लोगों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उनके घर-द्वार पर ही उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भिवानी के अंचल अस्पताल, मॉडल दादरी जिला बनाओ व मेंदाता अस्पताल गुरूग्राम के संयुक्त तत्वावधान में गांव रानिला में एक विशाल मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर अंचल अस्पताल के निदेशक डा. विनोद अंचल के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें 298 ग्रामीणों ने अपनी सेहत की मुफ्त जांच करवाई और दवाइयां लीं।

भिवानी। आयोजित शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

खानपान को लेकर किया जागरूक

इस स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात समाजसेवी विजय जैन व तिलक जैन ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव और रचना परमार मौजूद रहे। शिविर की सफलता में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनिल बलवान साहु का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा। कैंप के दौरान मरीजों की जांच करने के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए अंचल अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद अंचल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलते खान-पान के कारण बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके घर-द्वार पर ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि किसी भी ग्रामीण को इलाज या सामान्य जांच के लिए दूर न भटकना पड़े ।

योग केवल कसरत नहीं, आत्मा एवं बुद्धि को शुद्ध करने का माध्यम: महंत चरणदास

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में 10 से 55 वर्ष के साधकों ने लिया भाग

भिवानी। जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में योग करते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर में रविवार से दैनिक योग यज्ञ एवं ज्ञान पखवाड़ा का शुभारंभ हुआ। आयुष विभाग ने मंदिर परिवार के सहयोग और युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें क्षेत्र के युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन में मंदिर के महंत चरणदास महाराज का विशेष सान्निध्य रहा। प्रतियोगिता में 10 से 18 वर्ष तथा 18 से 55 वर्ष के आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले करवाए, जहां योग विशेषज्ञों ने उपस्थित साधकों को योग की सूक्ष्म बारीकियां और इसके वैज्ञानिक महत्व को समझाया।

महंत चरणदास महाराज ने योग को जीवन का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को मोड़ने या कसरत करने का नाम नहीं, बल्कि हमारी आत्मा, मन और बुद्धि को शुद्ध करने का एक दिव्य माध्यम है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और मानसिक तनाव के बीच योग ही एक ऐसा साधन है जो इंसान को आंतरिक शांति और पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान कर सकता है। हमारे प्राचीन ऋषियों-मुनियों ने योग के रूप में हमें अनमोल धरोहर सौंपी है। हनुमान जोहड़ी मंदिर में शुरू हुए दैनिक योग यज्ञ और ज्ञान पखवाड़ा भिवानी के प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य और सकारात्मकता की ओर ले जाने का काम करेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता को दो मुख्य आयुवर्गों में विभाजित किया, जिसमें 10 से 18 आयु वर्ग की लड़के एवं लड़कियों की प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं 18 से 55 आयुवर्ग की महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता में कामकाजी पुरुषों और वयस्कों ने हिस्सा लिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा, राजीव मित्तल, सुशील गुप्ता, संजय गुप्ता, अमित गोयल, राकेश सोनी, ओमवीर कौशिक, विक्रम कांगड़ा, दीपक जांगड़ा व राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

दादरी में सजेगा बैडमिंटन का महाकुंभ 115 खिलाड़ियों ने करवाया पंजीकरण

चरखी दादरी। जिले में बैडमिंटन का सबसे बड़ा खेल आयोजन 10वीं जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप के रूप में 12 से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है और अब तक 115 खिलाड़ी अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जून निर्धारित की है। चैंपियनशिप आयोजन से पूर्व जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने एसोसिएशन संरक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी एचसी गोदारा के नेतृत्व में दादरी विधायक सुनील सांगवान से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंटकर उन्हें बतौर मुख्यतिथि समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक सांगवान को बताया कि प्रतियोगिता जिले के बैडमिंटन इतिहास का महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें विभिन्न आयुवर्गों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा जिले में बैडमिंटन संस्कृति को मजबूत बनाना है। विधायक सांगवान ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवन शैली का आधार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आयोजन खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा देगा और जिले की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। गोदारा ने बताया कि एसोसिएशन का लक्ष्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि जिले को खेल क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में जिले के कई खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं और चैंपियनशिप उनके लिए नया मंच साबित होगी।

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान को निमंत्रण देते एसोसिएशन पदाधिकारी

भिवानी। नेशनल ग्रेपलिंग रेसलिंग में पदक विजेता पंकज घणघस को सम्मानित करते खाप के पदाधिकारी।

पंकज ने नेशनल ग्रेपलिंग रेसलिंग में जीते दो पदक, खाप ने किया सम्मानित

- युवाओं एवं उभरते खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन प्रेरणा है पंकज की उपलब्धि : नफे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

असम के गुवाहाटी में 29 से 31 मई तक हुई राष्ट्रीय स्तरीय अंडर-17 ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में गांव धनाना के होनहार खिलाड़ी पंकज घणघस ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए इतिहास रच दिया है। पंकज ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर एक गोल्ड और एक सिल्वर पदक अपने नाम किया है। इस दोहरी सफलता से पंकज ने न केवल अपने परिजनों का, बल्कि समस्त क्षेत्र और ग्रामीण आंचल का नाम पूरे देश में रोशन किया है। राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ी पंकज का घणघस खाप और खेलप्रेमियों ने सम्मान किया। घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता नफे सिंह घणघस, हरियाणा प्रधान काला सहित कोच भूपेंद्र, दीपक घणघस, शमशेर घणघस, रमन घणघस ने फूल-मालाएं पहनाकर किया स्वागत।

घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता नफे सिंह ने पंकज की उपलब्धि को बेहद गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीण अंचल के युवाओं में प्रतिभा की कोई कभी नहीं हैं, बस उन्हें जरूरत है तो उन्हें सही मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन की।

इस सफलता से गांव के अखाड़ों और खेल मैदानों में अभ्यास कर रहे अन्य बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा। सभी ने पंकज को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी देश के लिए पदक जीतने के लिए शुभकामनाएं दीं।

कड़ी मेहनत से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है

पंकज घणघस ने असम की धरती पर एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हो और कड़ी मेहनत की जाए तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। पंकज ने इतनी छोटी उम्र में राष्ट्रीय पटल पर जो मुकाम हासिल किया है, वह हमारे इलाके के दूसरे युवाओं और उभरते खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन प्रेरणा है। खेलप्रेमियों ने कहा कि पंकज शुरू से ही खेल के प्रति बेहद अनुशासित एवं समर्पित रहा है।

न्यूज डायरी

शोधार्थी कनिका चड्ढा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी उपलब्धि

भिवानी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी के गणित विभाग के प्रो. दिनेश कुमार मदान एवं शोधार्थी कनिका चड्ढा द्वारा किया गया शोध कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक पत्रिका मैकेनिक्स ऑफ सोलिड्स में प्रकाशन के लिए स्वीकृत किया गया है। यह पत्रिका रूस से प्रकाशित होती है तथा रूसी विज्ञान अकादमी के संरक्षण में संचालित की जाती है। विश्वभर में इसका प्रकाशन एवं वितरण स्प्रिंगर नेचर के माध्यम से किया जाता है। शोध पत्र में जटिल भूगर्भीय संरचनाओं में लव तरंगों के प्रसार का अध्ययन किया गया है। शोध में छिद्रयुक्त एवं रेतीले माध्यमों के साथ अनियमित अंतरफलक के प्रभावों का गणितीय मॉडलिंग के माध्यम से विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के लिए बायोट की पोरोइलास्टिसिटी सिद्धांत का उपयोग किया गया है। शोध के निष्कर्षों से पता चला है कि माध्यम में छिद्रता तथा रेतीलेपन में वृद्धि होने पर लव तरंगों का चरण वेग कम हो जाता है, जबकि अनियमित अंतरफलक तरंगों के प्रसार एवं विसरण गुणों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। यह शोध भूकंपीय जोखिम मूल्यांकन, भूकंप अभियांत्रिकी, स्थल-प्रतिक्रिया अध्ययन तथा भूभौतिकीय अन्वेषण जैसे क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध होगा।

दो माह में गोशाला को मिला एक हजार क्विंटल से अधिक हरा चारा

बाढड़ा। गोशाला, नावाँ-गोपालवास इन दिनों गौसेवा और जनसहभागिता का प्रेरणादायक केंद्र बनी हुई है। ग्रामीणों, युवाओं और प्रवासी दानवीरों के सहयोग से गौशाला में पिछले दो महीनों के दौरान एक हजार क्विंटल से अधिक हरा चारा गोवंश को समर्पित किया जा चुका है। गोशाला प्रबंधन के अनुसार इस सेवा कार्य में नावाँ, गोपालवास और मंडियाली गांवों के ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा है। खासकर युवा बढ़-चढक़र भागीदारी निभाई है। युवाओं के बढ़ते सेवा भाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 102 युवाओं ने गोशाला की वार्षिक सदस्यता ग्रहण कर गोसेवा को स्थायी रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। गोशाला परिसर में आयोजित एक विशेष बैठक में गौशाला के विकास, गोवंश संरक्षण और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में योगी महासभा के महासचिव बाबा चेताईनाथ तथा खंडेसरी बाबा मायानाथ के सान्निध्य में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। उपस्थित वक्ताओं ने गौसेवा को समाज का सबसे बड़ा पुण्य कार्य बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

युवाओं ने साइकिल चलाकर फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

- विश्व साइकिल दिवस पर संडे ऑन साइकिल कार्यकम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र के तत्वावधान में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में संडे ऑन साईकिल कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों, युवाओं, प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं साइकिल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने लगभग सात किलोमीटर की साइकिल रैली निकालकर फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। रैली में भिवानी साइकिल कम्यूनिटी के दीपक ग्रेवाल, शशांक, नमन, गौरव, नरेंद्र, सुशील एवं देवेन्द्र, भारत स्काउट्स एंड गाइड से अमित एवं देवेन्द्र आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विश्व साइकिल दिवस की थीम साइक्लिंग फॉर ए सस्टेंबल फ्यूचर व लेट्स राइड फॉर फीटर भारत संदेश को बढ़ावा दिया। प्रतिभागियों को साइकिल के नियमित उपयोग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

विधायक ने चौपाल शेड का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को गांव इमलोटा का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांव के सरपंच रामनिवास जांगड़ा की उपस्थिति में लाखों रुपये की लागत से निर्मित ग्यालवान चौपाल के शेड का उद्घाटन किया और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य गांवों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाकर लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। सांगवान ने कहा कि दादरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नए कार्य भी स्वीकृत कराए जा रहे हैं। दौरे के दौरान विधायक ने गांव के तालाब का भी निरीक्षण किया और आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने तालाब क्षेत्र में आवश्यक स्थानों पर मोटरें लगाने तथा जलभराव की संभावित समस्या से निपटने के लिए पहले से तैयारी रखने को कहा। ग्रामीणों ने गांव की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं से विधायक को अवगत कराया।

खेल के विकास को बढ़े कदम, गांव बुशान में अब सिंथेटिक ट्रैक पर निखरेंगी प्रतिभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि खेल से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेलों से राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे की भावना भी प्रबल होती है। वे रविवार को गांव बुशान में स्थित चौ. खेमचंद खेल स्टेडियम में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पारितोषिक समारोह में खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान महंत पूर्ण नाथ महाराज का पावन सानिध्य रहा वहीं पूर्व जिला खेल अधिकारी जयसिंह कालीरामण ने अतिथियों को शॉल भेट कर सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद ने शिव नरेश स्पोर्ट्स दिल्ली के सहयोग से पांच करोड़ रुपए की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन किया। उन्होंने चौ. खेमचंद खेल स्टेडियम की चारदीवारी निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने गांव बुशान की अनुसुचित जाति की ढाणी में पीने के पानी के लिए वाटर कूलर व एक वाटर कूलर चौ. खेमचंद खेल स्टेडियम और स्टेडियम में सफाई के लिए मशीन देने की घोषणा भी की।

ये रहे मौजूद

सरपंच मेहर चंद, शिव प्रकाश, हनुमान भादू, विरेंद्र कुमार, चेतन शर्मा, प्रताप सिंह, राजू खरोलीया, चन्द्र सिहं, लेफ्टिनेंट अंकित, विजय, धर्मसिंह, भागल संडवा, पूनम, महान सिह, शीशराम, रामसिंह, नरेश, रोहतास, संदीप गौड, सत्यवान, मास्टर दिनेश, डॉ. नरेश जांगडा, ढुलीचद, अजय तक्षक, फकीर चन्द, जयबीर सिहं, रामबीर, महताब सिंह, कोच पवन, गुणपाल एथलीट, महिपाल आर्य सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खेलों को जीवन का एक अभिन्न अंग बनाना चाहिए

सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि युवा वर्ग को खेलो मे बढ- चढक़र कर शिरकत करनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक खेल मे रूचि रखनी चाहिए। यही स्वस्थ रहने का मूल मंत्र है। इसलिए खेलों को जीवन का एक अभिन्न अंग बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आंचल में इस तरह की टूर्नामेंट करवाए जाने से गांवों की प्रतिभा को उभारने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि आज खेलों की बदौलत भिवानी जिला हर क्षेत्र में अव्वल है। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक ट्रैक पर नंगे पाव चलने से कई तरह की बीमारीयों से छूटकारा मिलता है।

नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं संस्कारित समाज के निर्माण की दिलाई शपथ

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल, भिवानी द्वारा नशा मुक्त हरियाणा अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन एम सी कॉलोनी सेंट्रल पार्क में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के वरिष्ठ सदस्य अंगना राम शर्मा एवं पुष्कर जग्गा ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक मंडल अध्यक्ष एडवोकेट पदम सिंह चौहान एवं युवा उपाध्यक्ष राकेश अरोड़ा ने युवाओं एवं नागरिकों से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं संस्कारित समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए सभी को मिलकर इसके खिलाफ जन-जागरण करना चाहिए। कार्यक्रम में नगर प्रभारी डॉ. ओम प्रकाश चावला ने उपस्थित नागरिकों को नशा मुक्त जीवन अपनाने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। प्रसिद्ध गायक कलाकार हरीश कुमार एवं रामलाल सुखीजा ने अपने भजनों और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह का ध्यान नशामुक्ति के महत्व की ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में मंडल के संरक्षक पूर्णमल शर्मा व सुमेर सैनी संगठन मंत्री ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

खेती-किसानी | किसान बिजाई से पूर्व मिट्टी की जांच करवाएं एवं संतुलित खाद का प्रयोग करें: डॉ.यादव

ग्वार बिजाई के लिए जून का प्रथम पखवाड़ा उत्तम समय : सैनी

- कृषि विकास अधिकारी डा. संदीप यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश के रेतीले एवं बारानी क्षेत्रों में ग्वार एक प्रमुख फसल है, जो कम पानी में पक जाती है। ऐसे क्षेत्रों में प्रायः किसान मानसून या प्री-मानसून की अच्छी बारिश के बाद ही बिजाई करते हैं। परन्तु जहां सिंचाई के पानी की व्यवस्था है वहां जून के प्रथम सप्ताह में ग्वार पखवाडे में ग्वार बिजाई करने से अच्छी पैदावार मिलती है। अतः किसानों को चाहिए कि वे गहरा चलेवा कर के इस समय ग्वार बिजाई करें ताकि पौधे मानसून की बारिश से पहले अच्छी तरह स्थापित हो जायें। उक्त विचार चौ. चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कीट विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा. आर.के. सैनी ने व्यक्त किए। वे कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा हिन्दुस्तान गम एंड कैमिकल्स भिवानी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कृषि शिविर में किसानों को संबोधित कर रहे थे। खंड लोहारू के गांव ढाणा जोगी में आयोजित इस शिविर में ग्वार के अलावा बाजरा, मूंग, नरमा व सबिजयों का उत्पादन बढ़ाने के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के सेवानिवृत वैज्ञानिक डा. जगदेव सिंह ने जल-संरक्षण के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जड़ों के समुचित विकास के लिए फासफोरस वाले उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें किसान। कृषि विकास अधिकारी डा. संदीप यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे फसल अवशेषों को जलाने की बजाय भूमि में दबायें तथा कुछ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को अवश्य अपनाएं। शिविर में 70 से अधिक किसानों ने भाग लिया तथा वैज्ञानिकों ने किसानों द्वारा उठाई गई विभिन्न कृषि समस्याओं के समाधान सुझाए।

ग्वार विशेषज्ञों ने किसानों को दिए पैदावार बढ़ाने के मंत्र

भिवानी। खंड बहल के गांव सिधनवा में ग्वार फसल पर कृषि विभाग के तत्वावधान में ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव के सहयोग से ग्वार फसल की पैदावार बढ़ाने पर शिविर का आयोजन एटीएम डॉ. मदन सिंह की देखरेख में किया। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने किसानों को खेत की मिट्टी के सैम्पल लेने के तरीके के बारे में अवगत करवाया तथा उसे नजदीकी प्रयोगशाला में टेस्ट करवाने की सलाह दी। मिट्टी की जांच से ये पता चलता है कि जमीन में किस पोषक तत्व की कमी है। इसके अलावा उन्होंने ने किसानों को अपने खेत में गोबर की तैयार खाद डालने का विशेष जोर दिया, जिससे मृदा की उर्वराशक्ति बढ़ती है। मिट्टी जांच के बाद ही संतुलित खाद का प्रयोग करें। ग्वार विशेषज्ञ यादव ने ग्वार की कम पैदावार होने का जड़गलन व झुलसा रोग मुख्य कारण बताए। उन्होंने बताया कि उखेड़ा बीमारी के जीवाणु जमीन में पनपते हैं व ग्वार के उगते हुए पौधों की जड़ों को काला कर देते हैं,जिससे पौधें जमीन से नमी व खुराक लेना बंद कर देते हैं। एटीएम डॉ. मदन सिंह ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की स्कीमों के बारे में पूरी जानकारी दी। इसके अलावा प्राकृतिक खेती अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने फसल चक्र अपनाने की विशेष जानकारी दी और इसके महत्वता के बारे में बताया। ग्वार विशेषज्ञ ने किसानों से आग्रह किया अच्छी पैदावार लेने के लिए 100 किलो सिंगल सुपर फास्फेट,15 किलो यूरिया या 35 किलो डीएपी प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय डालने के लिए सलाह दी। इस अवसर पर सुबेसिंह, जयबीर सिंह, नरेंद्र सिंह, राजेश, सुरेन्द्र, अनिल, ओमप्रकाश व रणसिंह आदि किसान मौजूद रहे।